दोपहर बाद मौसम ने ली करवट, तेज हवा के साथ शाम को हुई बूंदाबांदी

दोपहर में चली आधी, सूनी सड़कों पर उड़ी धूल

जागरण होशंगाबाद। एक ओर जहां कोरोना वायरस से समूचे देश और दुनिया परेशान है। वहीं मौसम की मार से जिले का किसान खासा परेशान है। हाल ही में हुई ओलावृष्टि के बाद बुधवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट बदली। तेज आंधी के साथ हल्की बारिश होने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखीं गईं। बुधवार को अचानक दोपहर 3 बजे तेज आंधी चलने के बाद आसमान पर काले बादल छा गये। बताया जा रहा है कि होशंगाबाद जिले के आसपपास बारिश भी हुई है। तेज आधी चलने से सूनी सड़कों पर वृक्षों से सड़कों पर पत्ते उड़ते हुए दिखाई दिए। इसके अलावा डोलरिया तहसील में बारिश होने की सूचना मिली है। इसके अलावा डोलरिया के पास भीलाखेड़ी में तेज आंधी के कारण खेत में आग लगने की जानकारी मिली है। हालाकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया था।

सुबह 8 से 11 बजे तक खरीद सकते हैं जरूरी सामग्री

जागरण होशंगाबाद। लॉक-डाउन के चलते आम लोगों को जरूरी सामग्री खरीदने के लिये जिला प्रशासन से समय में परिवर्तन किया है। पहले सुबह 6 से 9 बजे तक की छूट दी गई थी। लेकिन बुधवार को जारी आदेशों में फल, सब्जी, दूध, किराना, राशन आदि की दुकानें सुबह 8 बजे से 11 बजे तक खुल रखने के निर्देश जारी किये हैं।

न्यूज कार्नर

नारोलिया परिवार ने घर पर किया सुंदरकांड पाठ

जागरण होशंगाबाद। कोरोना वॉयरस के संक्रमण से बचाव के लिये देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किये गये लॉकडाउन के निर्देश के बाद लोग अपने घरों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर समय व्यतीत कर रहे है। बुधवार को हाउसिंग बोर्ड स्थित अपने निवास पर नारोलिया परिवार के सदस्यों ने सुंदरकांड पाठ किया। इस मौके पर श्रीमती माया नारोलिया, विकास नारोलिया सहित परिवार के सदस्य एवं बच्चे उपस्थित रहे। श्रीमती नारोलिया ने बताया कि इस समय देश मुश्किल समय से गुजर रहा है। इसलिये सभी लोगों को अपने घरों में ही रहना चाहिये ताकि कोरोना के खिलाफ कदम उठाए जा सके।

दिव्या घ्यारे की पहल लोगों को नि:शुल्क दे रहीं मास्क

जागरण होशंगाबाद। शहर में चल रहे लॉकडाउन के दौरान राज घ्यारे एवं दिव्या घ्यारे ने घर पर रहकर जरूरतमंदों के लिए मास्क तैयार कर रहे हैं। उक्त मावस उन जरूरतमंदों में बांटा जाएगा जिनके पास मास्क नहीं है। कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए दिव्या घ्यारे द्वारा एक नई पहल शुरू की है। वह एक समजसेविका है, जो हर कभी जरूरत पड़ने पर कुछ न कुछ नया करती रहती है। यह मास्क उन्होंने घर पर रह कर बनाए है। उनका कहना है, जिन लोगों के पास मावस नही है, उन्हें मास्क दिया जाएगा। अगर किसी जरूरतमंद को मास्क चाहिए हो तो संपर्क कर सकते हैं। यह मास्क वो घर पर ही बना रहे है। इस दौरान दिव्या घ्यारे के साथ राज घ्यारे, प्रेम घ्यारे ने उनका सहयोग कर रहे हैं।

भोपाल मंडल बढ़ा सकता है ट्रेनों के बंद होने की अवधि

जागरण होशंगाबाद। भोपाल रेल मंडल द्वारा ट्रेनों के संचालन की अवधि 14 अप्रैल की रात्रि 12 बजे कर बढ़ाये जाने पर विचार किया जा रहा है। मंडल प्रबंधक उदय बोरवणकर ने यह आदेश बुधवार को जारी किये है। उन्होंने कहा कि कोरोना की स्थिति पर नियंत्रण रखने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा गाड़ियों को बंद करने की अवधि और भी बढ़ाई जा सकती है। इसमें सभी मेल एक्सप्रेस ओर प्रीमियम गाड़िया सहित पैसेंजर गाड़िया भी शामिल हैं। मालूम हो कि रेल विभाग ने लाकडाउन के चलते 31 मार्च तक देश की सभी ट्रेनों के के आवागमन पर रोक लगा रखी है। ताकि इस संक्रमण को रोका जा सके। लेकिन मंगलवार को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 दिन देश में लॉकडाउन की घोषणा करने के बाद रेलवे विभाग ट्रेनों के संचालन पर विचार कर रहा है। संभवत: 14 अप्रैल तक ट्रेनों के संचालन पर रोक लगाई जा सकती है।

चैत्र प्रतिपदा में कपाट बंद, मन के मंदिर खुले

आस्था पर भारी पड़ा कोरोना वायरस, लोगों ने घरों में ही मनाया हिन्दू नववर्ष, सजाई गुड़ी

पुलिस और प्रशासन की चाक चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था होशंगाबाद में कोरोना का पहला संदिग्ध मिला, विभाग में हड़कंप

जागरण होशंगाबाद। बुधवार को चैत्र नवरात्रि के साथ ही नया हिन्दु संवत वर्ष शुरू हो गया। गुड़ी पड़वा के अवसर पर बुधवार को लोगों ने उपवास रखकर माँ भगवाती की आराधना घर पर ही की और गुड़ी सजाई। कारोना वायरस के चलते शहर के सभी मंदिर बंद हैं। इसलिये भक्तों ने मन मंदिर में भगवती की पूजा-अर्चना की और उपवास रखकर घरों के अंदर भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना की। लॉकडाउन के दौरान शहर में आज भी लोग घरों के बाहर नहीं निकले, सड़के सूनी रहीं, बाजार में सन्नाटा रहा। वहीं राशन, फल और सब्जी के दुकानें कुछ देर के लिये खुली रहीं। इसके बाद बंद कर दीं। जहां लोगों ने सोशल डिक्टेंश बनाकर जरूरी सामान की खरीदी की। प्रशासन ने कहा है कि जरूरी चीजों की कमी नहीं होने दी जायेगी। फल, दूध, राशन लोगों को उनके घरों के आसपास की दुकानों पर पहले की तरह सहजता से उपलब्ध रहेगी। इसलिये अनावश्यक घरों से बाहर न निकलें और लॉक-डाउन का पालन करें।

चैत्र नवरात्र व गुड़ी पाडवा से नववर्ष की शुरुआत बुधवार से हो गयी है। लेकिन अस्था पर भारी पड़ा कोरोना वायरस से पूरा देश जूझ रहा है। इसी को लेकर पूरे देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन यानि 14 अप्रैल तक के लिए लॉक डाउन कर दिया गया है। जिससे कोरोनो वायरस के संक्रमण को पूरी तरह से रोका जा सके। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए सभी धार्मिक स्थल भी बंद हैं। इतिहास में पहली बार ऐसा वक्त है, जिसमें मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च सभी धर्मो के धार्मिक स्थल पूरी तरह से बंद कर दिए है। जबकि हिंदू धर्म का चैत्र नवरात्र उत्सव शुरु हो गया है। लेकिन हिंदू धर्म के लोग घरों से नहीं निकले। क्योंकि पूरे जिले में धारा 144 के तहत कर्फ्यू लगा हुआ है। इस दौरान पुलिस शहर के चौक चौराहों पर चप्पें-चप्पे पर तैनात हैं। सड़के सुनसान पड़ी हुई है। सड़कों पर संदिग्ध घूमने वाले लोगों पर पुलिस कार्यवाही भी कर रही हैं।

दरअसल कोरोना संक्रमित बीमारी की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर धनजंय सिंह ने जिले को अग्रिम आदेश तक लॉकडाउन के आदेश जारी किए। उन्होंने शहर के लोगों से कहा कि जब तक स्वास्थ्य संबंधी कोई आपातकालीन स्थिति न हो, किसी को भी घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अस्पताल और मेडिकल स्टोर्स के साथ अतिआवश्यक शासकीय सेवाओं को छूट दी गई है।

बनखेड़ी में कोरोना के तीन संदिग्ध मिले, जांच सेंपल लिए, जिला अस्पताल रैफर

होशंगाबाद में मंगलवार को मिला था एक संदिग्ध

जागरण होशंगाबाद। नगर में एक ही परिवार के तीन लोगों को कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच की। जिसमें तीनों कोरोना से संभावित संक्रमित पाये गये हैं। तीनों के ब्लड सेंपल लेकर इलाज के लिये जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि एक युवती मुंबई से लौटकर अपने घर बनखेड़ी पहुंची थी। इस दौरान परिवार के दो अन्य लोग भी संक्रमित हो गये। तीनोको संदिग्ध अवस्था में पाए जाने पर उन्हें आइसोलेशन में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि सेंपल की जांच होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। मालूम हो कि कोरोना वायरस से संक्रमित संदिग्ध पहला मरीज मंगलवार को मिला। 25 वर्षीय युवक आईटीआई क्षेत्र का निवासी है। जो महाराष्ट्र के औरगाबाद में काम करता था। हाल ही में वह होशंगाबाद पहुंचा था। उसे तेज बुखार होने पर वह जिला अस्पताल इलाज करवाने के लिए पहुंचा था। युवक की जांच करने के बाद उसे आइसोलेशन में भर्ती कराया गया है। जिले में कोरोना का पहला मरीज मिला है। जांच के लिए सेपल भोपाल एम्स अस्पताल भेजा है। जिसकी रिपोर्ट 48 घंटे के अंदर आज गुरुवार को आ जाएगी। एपीडियोमोलॉजिस्ट आरएस चौहान ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित संदिग्ध मिला है। जिसकी जांच रिपोर्ट भोपाल एम्स अस्पताल भेजी है। युवक को आइसोलेशन में अस्पताल में रखा है। इसके तीन अन्य साथी और भी है जो मजदूर है। यह चारों महाराष्ट्र के औरगांबाद में मजदूरी का काम करते है।

सिंगापुर से लौटे कोल्ड चैन प्रभारी, नहीं हुआ आईसीयूलेशन

स्वास्थ्य विभाग कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर खुद ही लापरवाह है। सीएमएचओ कार्यालय के नीचे कोल्ड चैन प्रभारी एसके पटेल हॉल ही में सिंगापुर से लौटकर इंडिया पहुंचे है। लेकिन विभाग ने सिंगापुर से लौटे कोल्ड चैन प्रभारी का आईसीयूलेशन नहीं करवाया है। विभाग इसमें पूरी तरह लापरवाही बरत रही है।

सड़कों पर पसरा है सन्नाटा

कलेक्टर के अग्रिम आदेश तक लॉकडाउन होने के पिछले तीन दिनों से शहर की सड़के सुनसान पड़ी है। सुरक्षा के लिहाज से चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात हैं। बेवजह वाहन लेकर सड़कों पर घूमने वाले लोगों पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। क्योंकि पुलिस और प्रशासन के मना करने के बावजूद लोग धारा 144 का पालन नहीं कर रहे है। ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस सख्ती दिखाकर कार्यवाही भी कर रही है।

बैंकों में जमा नहीं हो रहे पैसे , कर्मचारी मार रहे गप्पे

कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर सरकारी व प्रायवेट संस्थान पूरी तरह बंद है। लेकिन बैंक इस दायरे में नहीं है। बैंक सेवा चालू है। पंजाब नेशनल बैंक में एकता चौक स्थित रहने वाला युवक बैंक में पैसे जमा करने गया था। बैंक कर्मचारियों ने उक्त युवक को मशीन से नोट जमा करने की बात कही। जब युवक मशीन में पैसें जमा करने पहुंचता तो 100 रुपए के नए नोट मशीन ले नहीं रही थी। दोबारा युवक बैंक कर्मचारियों के पास पहुंचा और कहा पैसे जमा नहीं हो रहे है। बैंक कर्मचारियों ने कहा अब 1 बजे ही बैंक के काउंटर बंद कर दिए थे। इससे बैंक जाने वाले ग्राहक परेशान हो रहे है। प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

मेडिकलों पर नाबालिग दे रहे दवा

कोरोना के चलते मेडिकल दुकान को छूट मिली हैं। मेडिकल दुकान पर काम करने वाले नाबालिग बच्चें है। जिन्हें दवा का कोई ज्ञान नहीं है। जिला अस्पताल के आसपास वाली कई मेडिकल दुकान हैं। जहां नाबालिग बच्चे काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग इसकी जांच नहीं करवा रहा है। ऐसे में किसी मरीज को गलत दवा देने से उसके साथ कोई हादसा भी हो सकता हैं।

सड़कों पर तैनात पुलिस आम लोगों पर भांझ रही लाठियां

कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रण में करने के लिए शहर के मुख्य मार्गों को पूरी तरह बंद कर दिए है। ताकि शहर का कोई भी व्यक्ति इधर उधर ना घूम सके। शहर की सड़के दिन भर सुनसान पड़ी रही। जरुरी कार्य व ड्यूटी जाने वाले लोगों के साथ भी पुलिस बिना पूछे उनके साथ लाठिया भांज रही है। जबकि कलेक्टर धनजंय सिंह ने साफ निर्देश दिए है कि प्रेस, नगर पालिका कर्मचारी, गैस कंपनी के हॉकर व अन्य विभागों के कर्मचारियों को छूट दी गयी है। पुलिस धारा 144 का गलत उपयोग कर रही है। हर आने जाने वाले लोगो के साथ मारपीट कर रही है। एसपी संतोष सिंह गौर को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

इनका कहना है

कोरोनो के चलते जिले को 21 दिन यानी 14 अप्रैल तक लॉक डाउन कर दिया है। पुलिस ओर प्रशासन की टीम मुस्तैद के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही है। पूरा जिला लॉक डाउन है। ऐसी स्थिति में घरों से लोग बाहर ना निकले।

– **जीपी माली,** एडीएम

कोरोना वायरस की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए लोगों पर स ती करना जरुरी है। जिले में धारा 144 लागू होने के बावजूद भी बेवजह लोग घरों से निकल रहे है। इसलिए पुलिस स ती बरत रही हैं।

संतोष सिंह गौर, एसपी

पंचायत सचिव कोरोना से निपटने देंगे 5 करोड़ की सहायता राशि, मुख्यमंत्री आपदा कोष में दान करेंगे तीन दिन का वेतन

जागरण होशंगाबाद। पंचायत सचिव संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि जब-जब आपदा आई है, पंचायत सचिवों ने हमेशा आगे आकर सरकार का तन, मन और धन से साथ दिया है। चाहे अतिवृष्टि में किसानों की मदद हो, चाहे अल्पवृष्टि की स्थिति रही हो और चाहे केदारनाथ में आई आपदा हो, सभी स्थितियों में पंचायत सचिवो ने सरकार का साथ दिया है। कोरोना वायरस से फैल रही विकट महामारी से पूरा देश और प्रदेश एकजुट होकर लड़ रहे है। इस लड़ाई में प्रदेश के पंचायत सचिव भी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा है भले ही पंचायत सचिवो का विगत 03 माह का वेतन प्राप्त नही हुआ है, फिर भी प्रदेश के 23 हजार पंचायत सचिव इस आपदा से निपटने के लिए 03 दिन का वेतन लगभग 05 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री आपदा कोष में जमा करेंगे, राज्य शासन पत्र जारी करके एकमुश्त कटौती की व्यवस्था बनाए, हम सहमत है। गौरतलब है पंचायत सचिव संगठन हमेशा संगठनात्मक गतिविधियो के अलावा सामाजिक और जनहितैषी कार्य करता आया है, संगठन जिला स्तर पर रक्तदान शिविरों का आयोजन करता है। पंचायत सचिव संगठन प्रदेश में एकमात्र ऐसा संगठन है जिसने 06 बार राजधानी भोपाल में रक्तदान शिविर आयोजित करके हजारों यूनिट रक्तदान किया है, साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का रक्ततुलादान भी किया है।

कोरोना पीड़ितों के इलाज के लिए सोहागपुर विधायक ने दिया एक माह का वेतन

जागरण होशंगाबाद। देश में चल रहे कोरोना संक्रमण को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 21 दिन लॉकडाउन की घोषणा की है। जिसमें उन्होंने जनता से घरों न निकलने की अपील की है। इसको लेकर बुधवार को सोहपुर विधायक ठा. विजयपाल सिंह ने आम जनता से अपील की है कि हम सभी प्रधानमंत्री के अनुरोध का पालन करें। 21 दिन के लॉक डाउन में कोई भी व्यक्ति अपने घर से 21 दिन तक न निकले, अपने अपने घरो में ही रहें। श्री सिंह ने कहा कि कोरोना पीड़ितों के इलाज के लिये 1 माह का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिया जायेगा। उन्होंने सभी से आग्रह है कि सभी अपने सुखद जीवन के लिये गंभीरता से पालन करें, किसी भी प्रकार से सामाजिक संबंध न बनाये। श्री सिंह ने जिले वासियों से कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटने के लिये सभी लोगों का सहयोग जरूरी है। इसलिये अपने घरों पर ही रहकर समय बिताएं और आसपास रहने वाले लोगों को भी इस दिशा में जागरूक करें। ताकि समूचे देश कोरोना संक्रमण पर मिलकर काबू पा सके।

लॉकडाउन में जनपद सीईओ का तुगलकी फरमान

सचिव-सरपंच और रोजगार सहायकों को दिए मनरेगा में मजदूरों से काम कराने के निर्देश

जागरण होशंगाबाद। कोरोना की रोकथाम के लिये प्रदेश में लॉक-डाउन है। लोगों को घरों से निकलने की इजाजत नहीं है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवरा सिंह चौहान और मुख्य सचिव के सीधे निर्देश है कि घरों के बाहर न निकलें। ट्रेन, हवाई यात्रा, यात्री बस सेवाएं आदि पूरी तरह से बंद है। बाजार सूने है और सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। लेकिन होशंगाबाद जनपद सीईओ नमिता बघेल को राष्ट्रीय आपदा की इस घड़ी में भी लोगों से ज्यादा मार्च क्लोजिंग की चिंता सता रही है। यही कारण है कि लॉक-डाउन की अवधि में उन्होंने ब्लाक समन्वयक, पंचायत इंस्पेक्टर और सरपंच-सचिव, रोजगार सहायक को मनरेगा से जुड़े काम 31 मार्च तक पूरा करने का फरमान जारी कर डाला है। जनपद सीईओ के इस फरमान से सचिव, रोजगार सहायक, समन्वयक परेशान है। लॉकडाउन के दौर में लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। ऐसे में मजदूर कहां से लायें और काम कैसे करवाएं। जबकि इस मामले की हकीकत यह है कि यह पूरा खेल कागजों में कराने की कवायद की जा रही है।

मालूम हो कि मनरेगा योजना के अंतर्गत प्राप्त आवंटन 31 मार्च को खत्म होने वाला है। ऐसे में जनपद पंचायत की सीईओ नमिता बघेल द्वारा सरपंच-सचिव एवं रोजगार सहायक को पेंडिंग पड़े काम को पूरा कराने कुछ दिनों पहले आदेश जारी किये हैं। जबकि इस योजना में मजदूरों को 176 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान किया जाता है। जिससे मनरेगा में काम करने में मजदूरों की रुचि नहीं है। अब कोरोना के चलते गांवों में मजदूर नहीं मिल रहे हैं। बावजूद इसके जनपद सीईओ द्वारा मस्टरोल जारी कराकर 50-50 मजदूरों से काम कराने के निर्देश दिये गये हैं। इस पूरे मामले में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। क्योंकि मौके पर कोई काम नहीं चल रहा है और कागजों में 50 मजदूरों से प्रतिदिन काम कराया जा रहा है।

अपनी नौकरी बचाने छोटे कर्मचारी बन रहे मोहरा

सूत्रों के अनुसार जनपद पंचायत सीईओ नमिता बघेल द्वारा मनरेगा में तय समय में कोई रुचि नहीं दिखाई। अब आवंटन लैप्स होने की स्थिति में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उन्हें फटकार लगाई गई, जिससे अपनी नौकरी बचाने के फेर में उन्होंने तुगलगी फरमान जारी करते हुए अधिनस्थ अधिकारियों और सरपंच-सचिव को काम कराने के निर्देश दिये गये हैं। सरपंच-सचिव और अधिकारी भी उक्त काम कागजों में करने मजबूर हो गये हैं।

नहीं आ रही मजदूरी की राशि

मनरेगा योजना मांग आधारित योजना है। मांग अनुसार मजदूरों से पंचायतों में काम कराया गया है। लेकिन पिछले कई माहों से मजदूरों की राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा है। बावजूद इसके टारगेट पूरा करने जबरन मस्टररोल जारी कर मजदूरों से काम कराने का दबाव बनाया जा रहा है। जबकि कोरोना के चलते देश भर में लॉकडाउन की स्थिति बनी हुई है।

रोजगार सहायकों को दी जा रही संविदा अवधि रोकने की धमकी

जनपद पंचायत सीईओ नमिता बघेल द्वारा रोजगार सहायकों से लेबर लगाने के लिये दबाव बनाया जा रहा है। जबकि मजदूर गांवों में मिल नहीं रहे हैं। सीईओ मौखिक तौर पर निर्देश दिये गये हैं कि काम करो नहीं तो हटा दिये जाओगे। रोजगार सहायक की संविदा अवधि रोकने की धमकी दी जा रही है। अधिकारी अपनी नौकरी बचाने नीचे के कर्मचारियों को मोहरा बनाया जा रहा है। इस मामले को लेकर जनपद सीईओ नमिता बघेल से दूरभाष क्रमांक 9425361532 पर संपर्क करना चाहा तो उन्होंने मोबाइल रिसीव नहीं किया।

मुख्यालय पर नहीं रहने पर होगी निलंबन की कार्रवाई: कलेक्टर

सभी विभाग प्रमुखों को दिये गये निर्देश

होशंगाबाद। कलेक्टर धनंजय सिंह ने कोरोना वायरस की रोकथाम एवं नियंत्रण के मद्देनजर सभी जिला अधिकारियों को मुख्यालय पर निवास करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसे अधिकारी/कर्मचारियों जो मुख्यालय पर उपस्थित नहीं उनके विरूद्ध निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आवश्यक एवं जीवन उपयोगी वस्तुओं की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री सिंह कोरोना वायरस के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर कलेक्टर जीपी माली सहित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा आम जनो की सहायता एवं कोरोना वायरस के संक्रमण संबंधी सूचनाओं हेतु बनाएं गए जिला कंट्रोल कम्यूपनिकेशन एण्ड रिस्पोण्डर सैल (ई-दक्ष केन्द्र) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। उन्होने कहा कि आम जनों को कोरोना वायरस संबंधी सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं एवं सोशल डिस्टेंसिंग हेतु जागरूक करें। श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के दृष्टिगत सोशल डिस्टेंसिंग का अति आवश्यक वस्तुओं की सेवा प्रदाय के दौरान पालन कराना सुनिश्चित करें। कि कोरोना वायरस से बचाव हेतु जारी लॉकडाउन के आदेश का गंभीरता से पालन सुनिश्चित कराएं।